

न्यायलय अनुमंडल दण्डाधिकारी, बगोदर- सरिया, गिरिडीह

आदेश पत्रक बलदेव गोप वगैरे प्रथम पक्ष

पक्ष बनाम द्वितीय पक्ष

देखे अभिलेख हस्तक 1941 का नियम 129

आदेश पत्रक ता०

जिला गिरिडीह।

से

तक

विविध वाद संख्या 190 सन् 2021

धारा 144 द० प्र० स०

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
01/10/21	<p>आवेदक/आवेदिका - बलदेव गोप वगैरह पिता/पति - स्व० बैजनाथ गोप, ग्राम - बगोदर, थाना - बगोदर, जिला - गिरिडीह. द्वारा द० प्र० स० कि धारा 144 के अन्तर्गत विवादित भूमि मौजा - बगोदर, थाना - बगोदर खाता सं० - 167, प्लॉट न० - 136, रकबा - 22 डी० चौहदी उ०+द०+पु०+पं० - हुलास गोप एवं प्लॉट सं० - 1466 रकबा - 37 डी० चौहदी उ० - हुलास गोवार द० - चुरवा बडही पू० - राना प्रसाद प० - रास्ता खाता संख्या - 192 प्लॉट सं० - 42, रकबा - 1.03 एकड चौहदी उ० - सीमाना मौजा बभनी द० - प्रीतम गोवार पू० - पेरुवा गोवार पं० - अरथ गोवार खाता नं० - 167 प्लॉट नं० - 4 रकबा - 40 डी० चौहदी उ० - चमरु गोवार द० - हरिया गोवार पू० - हुलास गोवार पं० - लेदो महतो खाता सं० - 167, प्लॉट सं० - 25 रकबा - 11 डी० चौहदी उ० - नीज द० - नीज पू० - सडक पं० - नीज खाता सं० - 167, प्लॉट सं० - 26 रकबा - 10 डी०</p>	333/21

चौहदी उ० - प्रीतम गोवार

दं० - नीज


पु० - हुलास गोवार


पं० - नीज

कुल विवादित खाता कुल प्लॉट 6 कुल विवादित रकवा -
2.23 एकड मे भू-विवाद के कारण निषेधाज्ञा लागू करने हेतु
आवेदन दिया गया है। प्रप्त आवेदन पर जॉच/मंतव्य अंचल
अधिकारी बगोदर /थाना प्रभारी बगोदर से मांगे।

अभिलेख दिनांक 21.10.21 को उपस्थापित करें।

लेखाधिकार रजिस्ट्रार शोषित


अध्यापक
बगोदर - रजिस्ट्रार


अध्यापक
बगोदर - रजिस्ट्रार

क्र० सं०
तारीख

आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर

आदेश पर की गई
कारवाई के बारे में
टिप्पणी तारीख सहित

1

2

3

31/10/21

अभिलेख उपस्थापित। मैं थाना प्रभारी/अंचल अधिकारी... के पत्रांक... 3082 दिनांक... 09/10/21... के द्वारा समर्पित किया गया जाँच प्रतिवेदन के अवलोकन के बाद संतुष्ट हूँ कि भूमि विवाद को लेकर उभय पक्षों में शांति भंग होने की आशंका है एवं उभय पक्ष टकराव के लिए तत्पर हैं, जिसके कारण उस क्षेत्र में शांति भंग, खून-खराबा तथा उपद्रव हो सकता है, जो मेरे अधिकार क्षेत्र में आता है। इस बात से मैं संतुष्ट हूँ कि इस मामले में टकराव को दूर करने तथा इलाके में शांति बनाये रखने के लिए निरोधात्मक कार्रवाई आवश्यक है।

इन तथ्यों के आलोक में उभय पक्षों के विरुद्ध धारा 144 द0प्र0सं0 के अंतर्गत कार्यवाही प्रारंभ किया जाता है तथा उभय पक्षों को 60 दिनों के लिए विवादाग्रस्त भूमि पर या उसके नजदीक जाने अथवा किसी भी तरह का कार्य करने के लिए प्रतिबंधित किया जाता है तथा रोका जाता है साथ ही उभय पक्षों से दिनांक 28/10/21... को कारण-पृच्छा की मांग की जाती है कि क्यों नहीं एक या दोनों पक्षों के विरुद्ध निरोधात्मक आदेश को सम्पुष्ट किया जाय।

लेखापित एवं संशोधित।

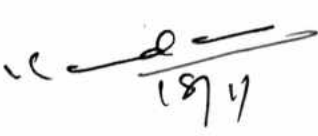
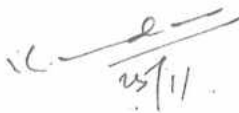
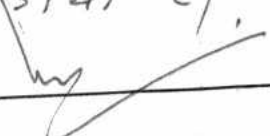
अनुमंडल दण्डाधिकारी,
बगोदर-सरिया।

अनुमंडल दण्डाधिकारी,
बगोदर-सरिया।

28/10/21

अभिलेख उपस्थापित। उपर-
पत्र अनुपस्थापित।
अभिलेख दिनांक 18/11/21 के रकें

31/10/21

दिश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कागजात के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
18/11/21	<p>उपय पदा - उपस्थित । 13/11/21</p> <p>पदा के द्वारा 8/12 दारिखत ।</p> <p>To 25/11/21</p> <p>IL </p>	
25/11/21	<p>उपय पदा - उपस्थित ।</p> <p>उपय पदा को द्वारा ।</p> <p>आदेशार्थि ।</p> <p>IL </p>	
23/11/21	<p>आदेश हेतु अभिलेख उपस्थापित ।</p> <p>पुश्नागत बाद उपय पदा के आवेदन तथा धारा 107 बगोदर के प्रतिवेदन के आलोक में प्रारम्भ किया गया ।</p> <p>उपय पदा के अनुसार पुश्नागत भूमि पैलवा गोवार को हुलास गोवार के नाम से रकियानी है जो उपय पदा के पूर्वज है । उक्त जमीन की जमाबंदी उपय पदा के रैयतों के नाम से बाधम है । उपय पदा द्वारा अपने दावे के समर्थन में रकियान की छाया प्रति दारिखत किया गया है ।</p> <p></p>	

दिश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	<p>द्वितीय पद के द्वारा निलम्न कारण पृथक् दारिद्र्य किया गया। द्वितीय पद के अनुसार उन्हें बजरिधे केवाला सं० - 361 वर्ष 1929 के ^{द्वारा} देर-गोप नद मंजी गोप से हासिल है। बजरिधे केवाला सं० 3129, दिनांक - 30/04/1955 के समन गोप के द्वारा एक मात्र पुत्री लोचनी देवी को बिडी कर दिया। लोचनी देवी बजरिधे केवाला सं० 5958 दिनांक 28/05/1966 के द्वारा किशुन गोप के पास बिडी कर दिया। उन लोचनी देवी ने सुन्दर लाव एवं किशुन गोप को 28/2/1972 को बिडी कर दिया। उक्त भूमि की जमाबंदी अंचल कार्यालय में कायम है। वर्ष 1973 एवं 1975 में किशुन गोप के द्वारा लीलावती देवी पति सुन्दर लाव को विडम कर दिया गया। उक्त भूमि की जमाबंदी अंचल कार्यालय में कायम है। उक्त पद के द्वारा लगभग 70 वर्षों के बाद मुकदमा जाया गया है जबकि उनके</p>	

देश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	<p>पूर्वजों के द्वारा पूर्व में ही रकतियानी जमीन की बिक्री कर दी गई थी। द्वितीय पक्ष अपने दावे के समर्थन में विभिन्न विजय पत्रों की छाया प्रति एवं जगान रसीद की छाया प्रति दारिजल किया गया है।</p> <p>छाया प्रमारी बगोदर के प्रतिवेदन का अवलोकन किया। प्रतिवेदन के अनुसार प्रथम पक्ष रकतियान के आधार पर अपना दावा करते हैं जबकि उनके पूर्वजों द्वारा द्वितीय पक्ष को बच दिया गया था।</p> <p>दारिजल कारण पृच्छा, दस्तावेजों एवं उक्त विवेचन के आलोक में मैं नियमन को द्वितीय पक्ष के हित में रिक्र करना हूँ तथा प्रथम पक्ष के विरुद्ध निरपेक्ष घोषित करना हूँ। यह आदेश नोटिस निर्गत करने की तिथि से दो महीने के लिये प्रभावी होगा।</p> <p>वाद को कार्यवाही समाप्त की जाती है।</p>	
	<p>27/12/</p> <p>S.M.</p>	